UP Board Solutions for Class 8 History Chapter 11 स्वतन्त्र भारत की चुनौतियाँ एवं विकास

अभ्यास

प्रश्न 1.
बहुविकल्पीय प्रश्न
(1) भारत स्वतंत्र हुआ
(क) 14 अगस्त, 1947 ई० को
(ख) 15 अगस्त, 1947 ई० को ✓
(ग) 26 जनवरी, 1947 ई० को
(घ) 26 जनवरी, 1950 ई० को

(2) प्रथम पंचवर्षीय योजना लागू की गई|
(क) 1 अप्रैल, 1951 ई० में ✓
(ख) 11 अप्रैल, 1952 ई० में
(ग) 11 अप्रैल, 1951 ई० में
(घ) 15 दिसम्बर 1952 ई० में

प्रश्न 2.
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
(1) जब हम आजाद हुए तो देश में कुल रियासतें कितनी थीं?
उत्तर
जब हम आजाद हुए तो देश में कुल 562 रियासतें थीं?

(2) लौह पुरुष किसे कहा जाता है?
उत्तर
लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल को कहा जाता है?

प्रश्न 3.
लघु उत्तरीय प्रश्न
(1) स्वतंत्र भारत का प्रधानमंत्री किसे बनाया गया तथा उनको शपथ किसने दिलाई?
उत्तर
स्वतंत्र भारंत का प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू को बनाया गया तथा उनको शपथ गवर्नर । जनरल लार्ड माउन्ट बेटेन ने दिलाई।

(2) शरणार्थियों को समस्या क्या थी? ।
उत्तर
देश के विभाजन के बाद भारत और पाकिस्तान में हुए साम्प्रदायिक दंगों के कारण पाकिस्तान से भारत आए लगभग 75 हजार हिन्दू, सिख और मुसलमान शरणार्थी भाइयों को बसाना एवं उनको रोजगार देना एक गंभीर समस्या थी।

प्रश्न 4.
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(1) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में कौन-कौन सी तत्कालीन समस्याएं थीं? इनका समाधान किस प्रकार से किया गया?
उत्तर
स्वतन्त्रता मिलने के बाद भारत को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ा-
(क) शरणार्थियों की समस्या- शरणार्थी लाखों की संख्या में पाकिस्तान के भिन्न-भिन्न इलाकों से आए। उनकी सहायता तथा रोजगार देने की कठिन समस्या भारत के सामने थी।

(ख) औद्योगिक समस्या- देश के विभाजन से पहले भारत का जूट तथा वस्त्र उद्योग बहुत उन्नत था परन्तु विभाजन के बाद जूट और कपास पैदा करने वाले क्षेत्र पाकिस्तान चले गए और अर्थव्यवस्था असन्तुलित हो गई थी। उद्योगों के लिए कच्चे माल का अभाव हो गया। कपास और पटसन के कारखाने तो भारत में थे परन्तु कच्चे माल का उत्पादन करने वाले अधिकांश क्षेत्र पाकिस्तान में थे। अत: बहुत से कारखाने बन्द हो गए।

(ग) देशी राज्यों की समस्या- भारत की स्वतन्त्रता के साथ 500 से अधिक देशी रियासतें भी स्वतन्त्र हो गईं। इन रियासतों को भारतीय संघ में शामिल किए बिना भारत की स्वतन्त्रता अधूरी थी।

(घ) खाद्यान्न की समस्या- देश के विभाजन से गेहूँ और चावल पैदा करने वाला काफी सारा उपजाऊ क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया। इसी प्रकार भारत में नहरी सिंचाई वाले क्षेत्र भी कम रह गए। अतः भारत में खाद्यान्न की समस्या पैदा हो गई।

(ङ) परिवहन व्यवस्था का तहस-नहस होना- परिवहन व्यवस्था तहस-नहस हो गई, जरूरी चीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने में कठिनाई आई।

समाधान- सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च करके शरणार्थियों को बसाया। पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा खाद्यान्न, औद्योगिक तथा रोजगार समस्याओं को हल किया गया। सरदार पटेल के प्रयत्नों से देश को एकीकरण हुआ। सितम्बर 1961 ई० में सैनिक कार्यवाही करने पर पुर्तगालियों ने गोआ, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली भारत को सौंप दिए।

https://www.evidyarthi.in/